कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 27 कानपुर, गुरूवार 25 जुलाई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

# सीएसए के निदेशक प्रसार लाइव टाइम अचीवमेंट पुरस्कार हेतु चयनित

कानपुर । सीएसए के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना वर्ष 2023 24 में उनके द्वारा कृषि

क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यो हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इस पुरस्कार की घोषणा परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह द्वारा की गई है। ज्ञातव्य हो कि डॉक्टर यादव को इससे पूर्व आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा डॉ राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मान 2012 से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर यादव को कई फसलों की नवीन प्रजातियों के शोध का श्रेय जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने हर्ष व्यक्त कर डॉक्टर यादव के उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी हैं। तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों/शिक्षकों /छात्रों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

अमर उजाला 25/07/2024

# डॉ. आरके यादव को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार

**कानपुर।** कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित होंगे।

कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना 2023-24 के तहत आयोजित कार्यक्रम में परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने इसकी घोषणा की। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने उन्हें बधाई दी। (ब्यूरो)

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

रेल मंत्री वैष्णव का आरोप, अंगमाली 12

लखनऊ से कानपुर के लिए जल्द दौड़ेगी वंदे मेट्रो... 05

# जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 281
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 25 जुलाई, 2024

## डॉ.आर.के. यादव का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए किया गया चयन

**जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ.आर.के. यादव का चयन उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए किया गया है। उनको यह अवार्ड कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना वर्ष 2023-24 में उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया जाएगा। इस पुरस्कार की घोषणा परिषद के महानिदेशक डॉ.संजय सिंह द्वारा की गई है। ज्ञातव्य हो कि डॉ. यादव को इससे पूर्व आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा डॉ.राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मान 2012 से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. यादव को कई फसलों की नवीन प्रजातियों के शोध का श्रेय जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने डॉ. यादव को उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी हैं।

41.0°
अधिकतम
29.2°
न्यूनतम
www.twitter.com/
worldkhabarexpress
www.facebook.com/
worldkhabarexpress
www.youtube.com/
worldkhabarexpress
WORLD
खबरें एक्सप्रेस

# सीएसए के निदेशक प्रसार लाइव टाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए हुए चयनित

**कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना वर्ष 2023 ट्ट 24 में उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यो हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इस पुरस्कार की घोषणा परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह द्वारा की गई है। ज्ञातव्य हो कि डॉक्टर यादव को इससे पूर्व आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा डॉ राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मान 2012 से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर यादव को कई फसलों की नवीन प्रजातियों के शोध का श्रेय जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने हर्ष व्यक्त कर डॉक्टर यादव के उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी हैं। तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों/शिक्षकों /छात्रों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बृहस्पतिवार • 25 जुलाई • 2024

# ऊसर भूमि पर धान की ाजाति पर हुआ प्रदर्शन

नपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं ागिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ान संचालित कृषि विज्ञान केंद्र ोप नगर द्वारा निकरा परियोजना र्गत ऊसर सहनशील धान की प्रजाति सआर 46 का प्रदर्शन कृषकों के ' में कराया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने या कि धान की ऊसर मिट्टी हेतु सआर 46 प्रजाति ज्यादा उपयुक्त यह धान की प्रजाति 120 से 135 ' में पककर तैयार हो जाती है। डॉ. ' ने उपस्थित कृषकों को सलाह दी ऊसर भूमियों में 100 से 120 ोग्राम नाइट्रोजन तथा 60 किलोग्राम फोरस एवं 35 से 40 किलोग्राम श अवश्य प्रयोग करें। जबकि 10 2 टन सड़ी हुई गोबर की खाद भी में समान मात्रा में मिला देने से मृदा ौतिक स्तर में सुधार होता है। ने किसानों को सलाह दी है कि या की संपूर्ण मात्रा को धान के खेत ान वार में उपयोग में लाना चाहिए।

# सीएसए निदेशक प्रसार लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार हेतु चयनित

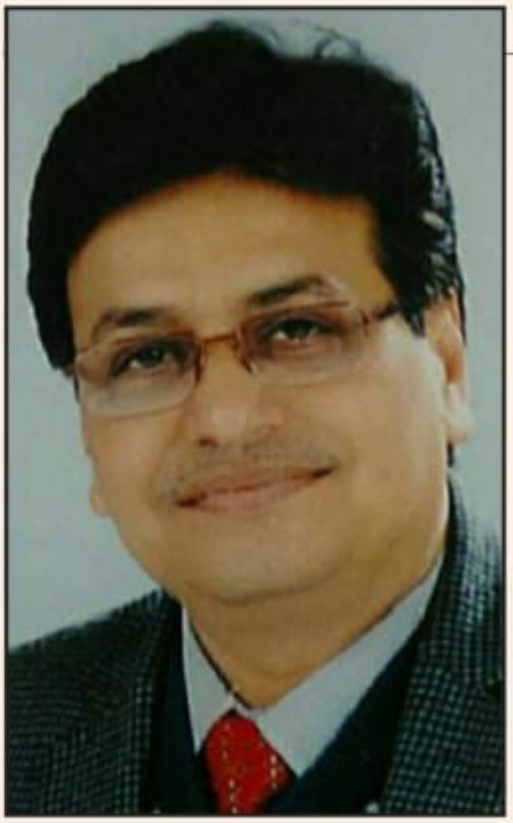



डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना वर्ष 2023 ड्ड 24 में उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यो हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इस पुरस्कार की घोषणा परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह द्वारा की गई है। ज्ञातव्य हो कि डॉक्टर यादव को इससे पूर्व आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा डॉ राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मान 2012 से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर यादव को कई फसलों की नवीन प्रजातियों के शोध का श्रेय जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने हर्ष व्यक्त कर डॉक्टर यादव के उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी हैं। तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों शिक्षकों छात्रों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 27 कानपुर, गुरूवार 25 जुलाई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

# ऊसर सहनशील धान की प्रजाति सीएसआर का प्रदर्शन किसानों के खेतों में कराया

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा निकरा परियोजना अंतर्गत ऊसर सहनशील धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन कृषकों के खेतों में कराया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की ऊसर मिट्टी हेतु सीएसआर 46 प्रजाति ज्यादा उपयुक्त है। यह धान की प्रजाति

120 से 135 दिनो में पककर तैयार हो जाती है। डॉक्टर खान ने उपस्थित कृषकों को सलाह दी की ऊसर भूमियों में 100 से 120 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 35 से 40 किलोग्राम पोटाश अवश्य प्रयोग करें। जबकि 10 से 12 टन सड़ी हुई गोबर की खाद भी खेत में समान मात्रा में मिला देने से मृदा के भौतिक स्तर में सुधार होता है। उन्होंने कहा है कि इससे धान की बालियों की मोटाई बढ़ जाती है और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है।उन्होंने किसानों को सचेत किया कि धान की फसल में दाना बनने के बाद उर्वरक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।इस अवसर पर एसआरएफ शुभम यादव, प्रगतिशील कृषक सर्वेश कुमार, सत्येंद्र, कुलदीप, चरण सिंह एवं अमन कुमार सहित कई किसान उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
कानपुर देहात 25.07.2024

# ऊसर में भी धान की बेहतर पैदावार का बताया मंत्र

**सफलता**

**सरवनखेड़ा, संवाददाता।** कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की ओर से निकरा परियोजना अंतर्गत मैथा के औरंगाबाद गांव में ऊसर सहनशील धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन कृषकों के खेतों में कराया गया। किसानों को ऊसर खेत में भी इस धान से बेहतर पैदावार के तरीके बताये गये।

धान प्रदर्शन के दौरान मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की ऊसर मिट्टी के लिये सीएसआर 46 प्रजाति ज्यादा उपयुक्त है। यह धान की प्रजाति 120 से 135 दिनो में पककर तैयार हो जाती है। डॉक्टर खान ने कृषकों को सलाह दी की ऊसर भूमियों में 100 से 120 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 35 से 40 किलोग्राम पोटाश अवश्य प्रयोग करें। जबकि 10 से 12 टन सड़ी हुई गोबर की खाद भी खेत में समान मात्रा में मिला देने से मिटटी के भौतिक स्तर में सुधार होता है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यूरिया की संपूर्ण मात्रा को धान के खेत में तीन बार में उपयोग में लाना चाहिए। इससे पौधों को समुचित मात्रा में नाइट्रोजन प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा है कि इससे धान की बालियों की मोटाई बढ़ जाती है और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है। उन्होंने किसानों को सचेत किया कि धान की फसल में दाना बनने के बाद उर्वरक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।इस अवसर पर एसआरएफ शुभम यादव, प्रगतिशील कृषक सर्वेश कुमार, सत्येंद्र, कुलदीप, चरण सिंह एवं अमन कुमार सहित कई किसान उपस्थित रहे ।

धान के खेत में रोपाई का तरीका बताते कृषि वैज्ञानिक। ● हिन्दुस्तान

अंक-144 कानपुर, गुरूवार 25 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

# निक्रा परियोजना अंतर्गत ऊसर धान की प्रजाति का हुआ प्रदर्शन

आज का कानपुर कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा निक्रा परियोजना अंतर्गत ऊसर सहनशील धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन कृषकों के खेतों में कराया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की ऊसर मिट्टी हेतु सीएसआर 46 प्रजाति ज्यादा उपयुक्त है। यह धान की प्रजाति 120 से 135 दिनो में पककर तैयार हो जाती है। डॉक्टर खान ने उपस्थित कृषकों को सलाह दी की ऊसर भूमियों में 100 से 120 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 35 से 40 किलोग्राम पोटाश अवश्य प्रयोग करें। जबकि 10 से 12 टन सड़ी हुई गोबर की खाद भी खेत में समान मात्रा में मिला देने से मृदा के भौतिक स्तर में सुधार होता है।उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यूरिया की संपूर्ण मात्रा को धान के खेत में तीन बार में उपयोग में लाना चाहिए। जिससे पौधों को समुचित मात्रा में नत्रजन प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा है कि इससे धान की बालियों की मोटाई बढ़ जाती है और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है।उन्होंने किसानों को सचेत किया कि धान की फसल में दाना बनने के बाद उर्वरक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।इस अवसर पर एसआरएफ शुभम यादव, प्रगतिशील कृषक सर्वेश कुमार, सत्येंद्र, कुलदीप, चरण सिंह एवं अमन कुमार सहित कई किसान उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बृहस्पतिवार • 25 जुलाई • 2024

# सए के प्रसार निदेशक को मिलेगा ाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार

नपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव को उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किये गये ष्ट कार्यों के लिये उत्तर प्रदेश कृषि संधान परिषद कृषि वैज्ञानिक ान योजना वर्ष 2023-24 लाइफ म अचीवमेंट पुरस्कार के लिये नेत किया गया है। इस पुरस्कार की गा परिषद के महानिदेशक डॉ. य सिंह ने की। मामूल हो कि डॉ. त्र इससे पूर्व आईसीएआर नई ली द्वारा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रीय कार 2012 से सम्मानित हो चुके डॉ. यादव को कई फसलों की नवीन तियों के शोध का श्रेय भी जाता है। अवसर पर छत्रपति शाहूजी महाराज त्रविद्यालय के कुलपति ने हर्ष व्यक्त ो हुये डॉ. यादव को उज्ज्वल ष्य की शुभकामनाएं दीं।

आरके यादव।

*(एसएनबी)*

# उप म एसो

उप मुख्यमंत्री बृ पदाधिकारी।

कानपुर एसोसिएशन क को उप मुख्यम स्थित कार्यालय एसोसिएशन के वाद कहा कि

महानगर
आज 25/07/2024

# को र्शन

ं 2019 बैच
ीसरे दिन भी
लेकर कालेज
र्शन किया। इस
ं ने विभिन्न
व पोस्टरों को
ते हुए मानदेय
इंटर्न डाक टर
ज्ञापन देने
ाक अधिकारी
त्र कर प्रदर्शन
समस्या जानी।
ने उन्हे मानदेय
ापन सौंपा है।
बिक उनका
पये रूपये है।
25 से 30
नदेय विसंगति
टरों में खास
स्पष्ट किया कि
दर्शन यथावत

# डा. आर. के. यादव लाइव टाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चयनित

कानपुर, 24 जुलाई। सीएसए के निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद की ओर कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना वर्ष 2023-24 में उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यो हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इस पुरस्कार की घोषणा परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह द्वारा की गई है। डॉक्टर यादव को इससे पूर्व आईसीएआर नई दिल्ली की ओर से डॉ राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मान 2012 से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर यादव को कई फसलों की नवीन प्रजातियों के शोध का श्रेय जाता है।

# 'विवा

## कान

कानपुर, 24 जुल
आयकर विवादों के
बनाने और मुकदमे
करने के लिए वि
योजना को फिर
जायेगा। साथ ही
प्रावधानों को हटाने
गया है। यह जानकारी
टैक्स बार एसोसिए
एसोसिएशन के अध्य
दी। उन्होंने बताय
अपील में लंबित म
को कम करने
न्यायाधिकरण उच्च
सर्वोच्च न्यायालय
अपील दायर कर
सीमाएं बढ़कर 60
करोड और दो करो
गयी है। मुख्य व
शुक्ला
को

अंक-144 कानपुर, गुरूवार 25 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

र से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

# सीएसए के निदेशक प्रसार लाइव टाइम अचीवमेंट पुरस्कार हेतु चयनित

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना वर्ष 2023 ट्ठ 24 में उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यो हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इस पुरस्कार की घोषणा परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह द्वारा की गई है। ज्ञातव्य हो कि डॉक्टर यादव को इससे पूर्व आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा डॉ राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मान 2012 से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर यादव को कई फसलों की नवीन प्रजातियों के शोध का श्रेय जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने हर्ष व्यक्त कर डॉक्टर यादव के उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी हैं। तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों/शिक्षकों /छात्रों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

कानपुर, गुरुवार, 25 जुलाई 2024



हिंदुस्तान

शहर 30s

# डॉ. आरके यादव को अचीवमेंट पुरस्कार

कानपुर। सीएसए के निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना 2023-24 के लिए कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ. यादव को चयनित किया गया है। इस पुरस्कार की घोषणा परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने की। डॉ. यादव को इससे पहले आईसीएआर, नई दिल्ली की ओर से डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मान-2012 से भी सम्मानित किया जा चुका है। विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने डॉ. आरके यादव को बधाई दी।

उत्तराखंड,मध्य-प्रदेश,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट्र,गुजरात,संघ प्रदेश,से एक साथ प्रसारित

RNI NO - UTTHIN/2018/76731

हिन्दी दैनिक

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

# दि ग्राम टुडे

मौसम

अधि. 15 | सूर्योदय: 7:31

न्यून. 06 | सूर्योदय: 5:27

गुरूवार, 25 जुलाई 2024

वर्ष: 06 अंक: 225 | पेज: 08, मूल्य: 2 रूपयें

Email : thegramtodayeditor@gmail.com

# निक्रा परियोजना अंतर्गत ऊसर धान की प्रजाति का हुआ प्रदर्शन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा निकरा परियोजना अंतर्गत ऊसर सहनशील धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन कृषकों के खेतों में कराया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की ऊसर मिट्टी हेतु सीएसआर 46 प्रजाति ज्यादा उपयुक्त है। यह धान की प्रजाति 120 से 135 दिनो में पककर तैयार हो जाती है। डॉक्टर खान ने उपस्थित कृषकों को सलाह दी की ऊसर भूमियों में 100 से 120 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 35 से 40 किलोग्राम पोटाश अवश्य प्रयोग करें। जबकि 10 से 12 टन सड़ी हुई गोबर की खाद भी खेत में समान मात्रा में मिला देने से मृदा के भौतिक स्तर में सुधार होता है।उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यूरिया की संपूर्ण मात्रा को धान के खेत में तीन बार में उपयोग में लाना चाहिए। जिससे पौधों को समुचित मात्रा में नत्रजन प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा है कि इससे धान की बालियों की मोटाई बढ़ जाती है और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है।उन्होंने किसानों को सचेत किया कि धान की फसल में दाना बनने के बाद उर्वरक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।इस अवसर पर एसआरएफ शुभम यादव, प्रगतिशील कृषक सर्वेश कुमार, सत्येंद्र, कुलदीप, चरण सिंह एवं अमन कुमार सहित कई किसान उपस्थित रहे ।